This question paper contains 8+3 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

4340

B.A. (Programme)/II **G-I**

HINDI DISCIPLINE—Paper II

हिंदी अनुशासन-प्रश्नपत्र II

(हिंदी गद्य विधाएँ, उपन्यास और हिंदी गद्य साहित्य का परिचयात्मक इतिहास) (B-138)

(प्रवेश-वर्ष 2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/SOL के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 *घण्टे* *पूर्णांक* : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12+12=24

(क) झूठ बोलने से बहुधा बड़े-बड़े अनर्थ हो जाते हैं । इसी से उसका अभ्यास रोकने के लिए यह नियम

P.T.O.

कर दिया गया कि किसी अवस्था में झूठ बोला ही न जाए । पर मनोरंजन, खुशामद और शिष्टाचार आदि के बहाने संसार में बहुत-सा झूठ बोला जाता है जिस पर कोई समाज कुपित नहीं होता । किसी-किसी अवस्था में तो धर्मग्रंथों में तो झूठ बोलने की इजाजत तक दे दी गई है, विशेषत: जब इस नियम-भंग द्वारा अन्त:करण की किसी उच्च और उदार वृत्ति का साधन होता हो ।

अथवा

नरक में पिछले सालों में बड़े गुणी कारीगर आ गए हैं । कई इमारतों के ठेकेदार हैं जिन्होंने पूरे पैसे लेकर रद्दी इमारतें बनाईं । बड़े-बड़े इंजीनियर भी आ गए हैं जिन्होंने ठेकेदारों से मिलकर पंचवर्षीय योजनाओं का पैसा खाया । ओवरसीयर हैं, जिन्होंने उन मजदूरों की

हाजिरी भरकर पैसा हड़पा, जो कभी काम पे गए ही नहीं । इन्होंने बहुत जल्दी नरक में कई इमारतें तान दी हैं । वह समस्या तो हल हो गई, पर एक बड़ी विकट उलझन आ गई है ।

(ख) एक छोटी-सी पठिया फुदकती हुई आकर चमेली की ताजा नरम-गरम पत्तियों को ताबड़-तोड़ नोचने और चबाने लगी । उस दिन तक मुझ में वह कलात्मक प्रवृत्ति नहीं जागी थी कि उस नन्हे खूबसूरत जानवर का वह फुदकना, अपने लम्बे कानों को फटफटाते हुए पत्तियों का वह नोचना, फिर चौकन्नी आँखों से इधर-उधर देखते हुए लगातार मुँह चलाना और जब-तब, शायद माँ की याद में, मैं-मैं चिल्ला उठना—मैं विस्मय विमुग्ध होकर देखता सुनता रहा ।

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के स-सार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों करोड़ों की उपेक्षा से समृद्ध हुई थी । वे सामंत उखड़ गए, समाज ढह गए और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई ।

2. (क) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×5=20

(*i*) 'अशोक के फूल' निबंध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

(*ii*) अकाल ने शिद्धिरगंज गाँव को कैसे बदल डाला ? वर्णन कीजिए ।

(*iii*) 'भोलाराम का जीव' के माध्यम से लेखक ने स्वातन्त्र्योत्तर भारत के यथार्थ का चित्रण किया है। स्पष्ट कीजिए ।

(*iv*) 'बिबिया' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

(*v*) प्राग-आइसलैण्ड यात्रा के दौरान लेखक के ध्यान में कौनसा स्मृति-चित्र उभरता है ? उस स्मृति-चित्र में लेखक ने कौनसा उपमान माध्यम रूप में अपनाया ?

(*vi*) 'ठाकुर का कुआँ' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

(*vii*) हरिवंशराय बच्चन की वंश परंपरा का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

(ख) किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×3=9

(*i*) संकट के समय कौनसी जाति अपना अस्तित्व बनाए रखती है ?

(*ii*) बेला को ससुराल की कोई चीज पसंद क्यों नहीं आती ?

(*iii*) झूठ बोलने के संबंध में लेखक के क्या विचार हैं ?

(*iv*) 'संस्कृति' शब्द से आप क्या समझते हैं ?

(*v*) भोलाराम को क्या बीमारी थी ?

(*vi*) 'अशोक के फूल' निबंध के अनुसार 'मदनोत्सव' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(*vii*) बिबिया के गायब होने के पीछे लेखिका की क्या राय थी ?

3. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 11

(क) कर्ज से बड़ा पाप नहीं । न इससे बड़ी विपत्ति दूसरी है । जहाँ एक बार धड़का खुला कि तुम आये दिन सराफ की दुकान पर खड़े नजर आओगे । बुरा न मानना । मैं जानता हूँ, तुम्हारी आमदनी अच्छी है, पर भविष्य के भरोसे पर और चाहे जो काम करो, लेकिन कर्ज कभी मत लो । गहनों का मरज न जाने इस दरिद्र देश में कैसे फैल गया । जिन लोगों के भोजन का ठिकाना नहीं, वे भी गहनों के पीछे प्राण देते हैं । हर साल अरबों रुपये केवल सोना-चाँदी खरीदने में व्यय हो जाते हैं । उन्नत देशों में धन व्यापार में लगता है, जिससे लोगों की परवरिश होती है, और धन बढ़ता है । यहाँ धन शृंगार में खर्च होता है ।

(ख) अगर तुम सख्तियों और धमकियों से इतना दब सकते हो, तो तुम कायर हो । तुम्हें अपने को मनुष्य कहने का अधिकार नहीं । लोगों ने हँसते-हँसते सिर कटा लिए हैं, अपने बेटों को मरते देखा, कोल्हू में पेरे जाना मंजूर किया है, पर सच्चाई से जौ-भर भी न हटे । तुम भी तो आदमी हो, तुम क्यों धमकी में आ गए ? क्यों नहीं छाती खोलकर खड़े हो गए कि हमें गोली का निशाना बना लो; पर मैं झूठ न बोलूँगा । देह के भीतर इसलिए आत्मा रखी गई है कि देह उसकी रक्षा करे । इसलिए नहीं कि उसका सर्वनाश कर दे । इस पाप का क्या पुरस्कार मिला ? जरा मालूम तो हो ?

(ग) उसकी अपनी जिंदगी में कुछ भी तो ऐसा नहीं है जो क्षण-भर को भी उत्तेजना पैदा कर सके । बंटी

यदि सिर के बल खड़ा हो गया, तो उसी को लेकर वह उत्तेजित-सा महसूस करती रहती है । यदि उसने ठीक से खाना नहीं खाया या कि वह किसी बात पर जिद करके रो दिया या कि उसने कोई ऐसी बात पूछ ली जो इस उम्र के बच्चे को नहीं पूछनी चाहिए, तो वह उत्तेजित होने की स्थिति तक परेशान हो जाया करती है ।

(घ) सब लोग केवल उससे चाहते ही हैं और वह उनकी चाहनाओं को पूरती रहे यही एकमात्र रास्ता है उसके लिए । बस, वह कुछ न चाहे । जहाँ चाहती है, वहीं गलत क्यों हो जाती है ? ऐसा अनुचित-असम्भव भी तो उसने कुछ नहीं चाहा । एक सहज सीधी जिन्दगी,

जिसमें रहकर वह कम से कम यह तो महसूस कर सके कि वह जिन्दा है । केवल सूरज डूब-उगकर ही उसे रात होने और बीतने का एहसास न कराए, उसके अतिरिक्त भी 'कुछ' हो । कितनी सहज-स्वाभाविक इच्छाएँ थीं उसकी ! फिर भी सब गलत, केवल इसलिए कि वे उसकी थीं ।

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 12

(*i*) 'गबन' उपन्यास की मूल समस्या पर प्रकाश डालिए ।

(*ii*) रमानाथ के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

(*iii*) 'आपका बंटी' उपन्यास की 'ममी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(*iv*) "'आपका बंटी' उपन्यास में 'टूटते-बिखरते परिवार' की कहानी के माध्यम से बच्चों की समस्या पर प्रकाश डाला गया है"—स्पष्ट कीजिए ।

5. नाटक **अथवा** उपन्यास की विकास-यात्रा का परिचय दीजिए । 12

6. आत्मकथा **अथवा** संस्मरण के विकास पर प्रकाश डालिए । 12